www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 336 | जौनपुर, सोमवार, 27 जुलाई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कलाधाम की घटना पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई

नोएडा, (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क दो स्थित कलाधाम सोसाइटी में 6 साल के बच्चे की मौत से आहत सीईओ एनजी रवि कुमार ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की है। प्राधिकरण के जल विभाग में तैनात सहायक प्रबंधक मनोज कुमार और प्रबंधक गरिमा सिंह के निलंबन व विभागीय कार्रवाई संस्तुति शासन को भेज दी है और वरिष्ठ प्रबंधक विनोद कुमार शर्मा के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई के लिए शासन को संस्तुति भेज दी है। इन तीनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सभी दायित्वों से मुक्त करते हुए ग्रेटर नोएडा वेस्ट ऑफिस से संबद्ध कर दिया गया है। सीईओ ने ओएसडी अभिषेक पाठक व महाप्रबंधक एके सिंह की संयुक्त जांच रिपोर्ट पर यह कार्रवाई की है। प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने बताया कि घटना के तुरंत बाद सीईओ के निर्देश पर ओएसडी अभिषेक पाठक व महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। संयुक्त जांच रिपोर्ट में ठेकेदार, सुपरवाइजर व तकनीकी सुपरवाइजर की लापरवाही के साथ ही सहायक प्रबंधक मनोज कुमार, प्रबंधक गरिमा सिंह और वरिष्ठ प्रबंधक विनोद कुमार शर्मा की तरफ से कार्य में लापरवाही भी उजागर हुई है। प्राधिकरण की तरफ से ठेकेदार, सुपरवाइजर व तकनीकी सुपरवाइजर के खिलाफ एफआईआर पहले ही दर्ज करा दी गई है।

हिमाचल में अब तक 1000 करोड़ का नुकसान 15 लोगों की मौत

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान लगातार हो रही भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से अब तक करीब 1000 करोड़ के नुकसान का प्रारंभिक अनुमान है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विशेष सचिव पुष्पेंद्र राणा ने बताया कि इस मानसून सीजन में लगभग 15 लोगों की मौत हुई हैं। कांगड़ा और पांगी घाटी में जनहानि हुई है। विशेष सचिव पुष्पेंद्र राणा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि मानसून सीजन में अब तक 19 अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) और 4 बादल फटने की घटनाएं दर्ज की गई हैं। 9 से 10 भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 120 से अधिक सड़कें बंद हैं। 60 से अधिक पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं और कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में अभी तक का नुकसान लगभग एक हजार करोड़ है। हम कोशिश कर रहे हैं कि पूरा रिकॉर्ड रखें। पुष्पेंद्र राणा ने कहा कि हिमाचल में प्राकृतिक आपदाएं जैसी घटनाएं हो रही हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इन घटनाओं पर लगातार नजर रख रहा है और तुरंत कार्रवाई की जा रही है। पुष्पेंद्र राणा ने बताया कि मौसम विभाग की ओर से जारी सभी अलर्ट पर राज्य सरकार लगातार नजर रख रही है।

सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया है। पीएम मोदी की ओर से 'एक्स' पोस्ट में संस्कृत श्लोक, शीलवान् पूजितो लोके, शीलवान् साधुसम्मतः। शीलवान् सर्वकर्मार्हः, शीलवान् प्रियदर्शनः शेयर किया गया है। जिसका हिंदी अर्थ है– "सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है। उत्तम चरित्र से युक्त व्यक्ति अपने सत्यनिष्ठा, विनम्र, और मर्यादित आचरण के कारण प्रत्येक उत्तरदायित्व के योग्य माना जाता हैय उसका व्यक्तित्व सभी के

लिए आकर्षक और अनुकरणीय होता है। वास्तव में, सफलता, प्रभावी नेतृत्व, और अटूट विश्वास का वास्तविक आधार उत्तम चरित्र ही है।" पीएम मोदी ने 24 जुलाई को भी सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर किया था। उन्होंने श्लोक, "कर्मणा मनसा वाचा यदभीक्ष्णं निषेवते। साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है– "मनुष्य अपने कर्मों, विचारों और वचनों के द्वारा जिस किसी भी विषय का निरन्तर अभ्यास करता है, वही अन्ततः उसके व्यक्तित्व को ढालकर उसे उसी दिशा में खींच ले जाता है, इसलिए मनुष्य को सदैव अपने चिंतन और संवाद में केवल कल्याणकारी विषयों को ही स्थान देना चाहिए।" प्रधानमंत्री ने 23 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था, " जिसका हिंदी अर्थ है कि विस्तृत आकाश या अन्तरिक्ष में जो शक्तिमयी शाश्वत सत्ता है, वही हमारी आत्मा में भी है। इसलिए कहा भी गया है दृ जो पिण्ड या कण–कण में है, वही ब्रह्माण्ड में है।

पेपर लीक पर सख्ती की शुरूआत, जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में पेश किया नया बिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को लोकसभा में पेपर लीक विरोधी बिल पेश किया। यह कदम नीट पेपर लीक के खिलाफ कई सप्ताह तक चले देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया गया है। शून्यकाल के दौरान सदन में जारी विपक्ष सदस्यों के हंगामे के बीच मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक–2026 पेश किया। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने सदन की मेज थपथपाते हुए अपना समर्थन दिया। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ने विधेयक पर संशोधन प्रस्तुत करने के लिए दोपहर एक बजे तक का समय निर्धारित किया। स्पीकर ओम बिरला ने कहा, ष्यह महत्वपूर्ण विधेयक है। इससे सदन और देश की मंशाओं पर व्यापक चर्चा होगी। सभी दल के लोग इस विषय पर बहुत दिनों से मांग कर रहे थे। ये सुधार का प्रथम कदम है।ष स्पीकर ने आगे कहा, ष्मैं सोचता हूं कि सदन में इस विधेयक पर चर्चा हो। सभी इस पर अपने मत व्यक्त करें, ताकि

किस तरीके से हम देश के अंदर पेपर लीक को रोकने का एक समुचित कदम उठा सकें।ष इसी बीच, विपक्ष की नारेबाजी और हंगामा बरकरार रहा। स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों से अनुरोध करते हुए कहा, ष्इस विषय पर बोलने का आपको (विपक्षी सदस्यों को) बोलने का पर्याप्त समय दिया जाएगा। सदन की जितनी सहमति होगी, उतना समय इस विधेयक पर चर्चा के लिए दिया जाएगा। मेरा आग्रह है कि इस महत्वपूर्ण विधेयक पर सदन का सहयोग करें और चर्चा करें।ष उन्होंने विपक्षी सदस्यों से कहा, ष्आप बहुत दिन से इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहे थे। इस पर आज चर्चा है।

ओम बिरला ने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए सदन की ओर से दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओम बिरला ने कहा, "मुझे सदन को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि स्कॉटलैंड में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है, जबकि ऋषिकांत सिंह और राजा मुथुपांडी ने सिल्वर मेडल हासिल किए हैं। पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है।" उन्होंने खिलाड़ियों के समर्पण, मेहनत और अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये उपलब्धियां उनके परिवारों और कोचों के सहयोग का भी नतीजा हैं। स्पीकर ने सदन की ओर से सभी खिलाड़ियों, उनके परिवारों और कोचिंग स्टाफ को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के चौथे दिन भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम ने एक बार फिर कमाल कर दिखाया। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने महिलाओं की 48 किग्रा श्रेणी में गोल्ड मेडल जीतकर लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गेम्स स्वर्ण पदक हासिल किया और नया इतिहास रचा। पुरुष वर्ग में चनंबम ऋषिकांत सिंह ने 60 किग्रा में सिल्वर मेडल और राजा मुथुपांडी ने 65 किग्रा में सिल्वर मेडल जीता। इन तीनों मेडलों ने भारत को एक दिन में वेटलिफ्टिंग से तीन पदक दिलाए।

गुरु केवल शिक्षा नहीं, जीवन को दिशा भी देते हैं – योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए गुरु–शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताया है। उन्होंने कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को दिशा भी देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करें और उनके बताए आदर्शों को जीवन में उतारें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा और विकसित प्रदेश के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा, ष्मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, भारतीय मनीषा एवं सनातन संस्कृति में गुरु को साक्षात परम ब्रह्म माना गया है। विक्रम संवत 2083 की आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (29 जुलाई, 2026) को गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व हम सबके लिए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का अवसर है।ष उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में यह पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में श्व्यास पूर्णिमाश के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध परंपरा में यह भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति–दिवस है। जैन परंपरा में इसका संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान–दीक्षा प्रसंग से है, जबकि सिख परंपरा में भी गुरु–वाणी सर्वोपरि है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा गुरु–शिष्य परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का सार्वकालिक उत्सव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ से ज्ञान और संस्कार प्राप्त कर आदर्श जीवन की मर्यादाओं को आत्मसात किया, जबकि भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने कठोपनिषद का उल्लेख करते हुए कहा कि नचिकेता ने यमराज के समक्ष क्षणिक सुख और वैभव का नहीं, बल्कि श्श्रेयश अर्थात् सत्य एवं आत्मज्ञान का मार्ग चुना।

राज्य महिला आयोग ऋतु शाही ने अयोध्या का दौरा कर जनसुनवाई में महिला समस्याओं का किया निराकरण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।सोमवार को राज्य महिला आयोग की सदस्य,रितु शाही ने अयोध्या का दौरा किया। दौरान उन्होंने महिला जन सुनवाई,अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक,एवं जागरूकता चौपाल का आयोजन तथा अन्य महिला कल्याण गतिविधियों का मूल्यांकन किया।सर्किट हॉउस अयोध्या में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।जनसुनवाई में सबसे अधिक घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं की समस्याएं, आर्थिक सहायता, सुरक्षा,शिक्षा एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई।जनसुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि जनपद का महिला कल्याण विभाग महिलाओं की

समस्याओं के प्रति संवेदनशील तरीके से कार्य कर रहा हैं,कहा कि महिलाओं को अपनी शिकायत दर्ज कराने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। इस मौके पर लगभग 182 महिलाये उपस्थित रही और कुल मिलाकर 22 शिकायते प्राप्त हुई।जिनमे 19 की समस्याओ का निस्तारण तत्काल सम्बंधित अधिकारीयों को निर्देशित करते किया। बाल विवाह शपथ सभी महिलाओ को कराया गया तथा चिकित्सा शिविर में एच. पी. वी. वैक्सीन के बारे में सदस्य महोदया एवं डॉ प्रेम जी द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई।उन्होंने निर्देश दिया महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर,स्वास्थ्य शिक्षा स्वरोजगार एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र महिला तक पहुंचे और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन किया जाय।चौपाल एवं जनसुनवाई के बाद सदस्य महोदया द्वारा राजकीय बंदीगृह का भी निरिक्षण किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा,सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी,मीनाक्षी पांडेय सीडीपीओ मसौधा बाल विकास एवं पुष्टाहार,डॉ प्रेम सीएचसी,इंस्पेक्टर चंद्रभान, महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला,परमात्मा राम और अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।वही महिला कल्याण विभाग से हब फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन से जिला मिशन समन्वयक वंदना तिवारी,अस्तुति एवं संध्या वर्मा उपस्थित रही।वन स्टॉप सेंटर से प्रभामणि पाल सेंटर मैनेजर, प्रतिभा पांडेय एवं विपिन तथा चाइल्ड लाइन से पल्लवी दीक्षित एवं अनुराग शुक्ला डी. सी. पी. यु. से तथा अन्य सहयोगी कर्मचारी उपस्थित रहे। जबकि जागरूकता चौपाल में सामाजिक सेवा समिति से श्रीमती कविता मिश्रा एवं उनकी टीम उपस्थित रही।

पेपर लीक बिल पर चर्चा टलने पर रिजिजू का विपक्ष पर निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि देशभर के छात्रों की मांगों और हाल में हुए छात्र आंदोलन को ध्यान में रखते हुए सरकार परीक्षा में पेपर लीक और अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए आज एक बेहद महत्वपूर्ण विधेयक संसद में लेकर आई है। उन्होंने कहा कि यदि इतने बड़े छात्र आंदोलन के बाद भी इस मुद्दे पर संसद में चर्चा नहीं हो पाती, तो यह न संसद के लिए अच्छा है और न ही लोकतंत्र के लिए। ससंद बहस और चर्चा का सर्वोच्च मंच है, इसलिए ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर यहीं सार्थक चर्चा होनी चाहिए। रिजिजू ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल इस विधेयक पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं तथा नारेबाजी, काले कार्ड दिखाकर और अन्य तरीकों से सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों से अपील की कि वे देश के छात्रों की भावनाओं को समझें और हंगामा करने के बजाय इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा में भाग लें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए बड़ा

निर्णय लिया है और इसके लिए एक टास्क फोर्स का गठन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक विधेयक पेपर लीक रोकने के लिए सख्त और समयबद्ध प्रावधानों के साथ–साथ दोषियों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान करता है, जिससे छात्रों का भविष्य अधिक सुरक्षित होगा। उन्होंने सभी दलों से छात्रों के हित को सर्वोपरि रखते हुए विधेयक पर गंभीर और सकारात्मक चर्चा करने की अपील की।

नशामुक्त युवा ही बनाएंगे विकसित भारत, विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं पर भी उठाए सवाल- आनंदीबेन पटेल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में सोमवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण का संकल्प दिलाते हुए कहा कि डिग्री केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रति दायित्व निभाने का अवसर है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर नवाचार, अनुसंधान और सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का आह्वान किया। साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रावासों, मेस और अन्य व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर भी खुलकर नाराजगी जताई। समारोह में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, एनसीसी के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर गौरव गौतम, कुलपति प्रो. वंदना सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने राज्यपाल का स्वागत किया। इस अवसर पर 83 मेधावी छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक तथा 339 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक ज्ञान का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, न्यायपालिका और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और विकसित भारत की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक दायित्वों को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। राज्यपाल ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से आगाह करते हुए कहा कि नशे की प्रवृत्ति समाज और परिवार दोनों के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, अनुशासित और संवेदनशील युवा ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार कर सकते हैं। अपने परिवार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले चार दशकों से उनके घर में चाय नहीं बनती और अतिथियों का स्वागत नींबू पानी से किया जाता है। विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने छात्रावासों में मेस के भोजन की गुणवत्ता, साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, वाशिंग मशीन और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कुलपति को निर्देश दिया कि भोजन की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जाए और छात्रों को सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। कारगिल विजय दिवस पर विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित न होने पर भी उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। राज्यपाल ने डिजिलॉकर व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इससे डिग्री और अंकपत्रों में होने वाली त्रुटियों तथा भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगा है। उन्होंने बताया कि गुजरात में शिक्षा मंत्री रहते हुए फर्जी डिग्रियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाकर हजारों फर्जी प्रमाणपत्र निरस्त कराए गए थे। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार भी उतने ही आवश्यक हैं। उन्होंने स्वर्ण पदक विजेताओं, विशेषकर बेटियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं और महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। वहीं, मेजर गौरव गौतम ने विद्यार्थियों से अनुशासन, ईमानदारी, स्वस्थ जीवनशैली और तकनीक के सकारात्मक उपयोग के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

संपादकीय

छीना–झपटी ठीक नहीं

विपक्ष को कॉकरोच आंदोलन में श्राजनीतिक पूंजीच नजर आई हो, तो यह स्वाभाविक ही है। वैसे, अभी वक्त इस पूंजी को सहेजने का है, लेकिन इन पार्टियों में अभी से इसकी छीना–झपटी के संकेत मिलने लगे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन देशवासियों के बड़े हिस्से का ध्यान खींचने में सफल रहा है। सोमवार को उसके संसद मार्च के दौरान बड़े पैमाने पर छात्रों पर दमन ने उसके एंजेडे के लिए समर्थन में और इजाफा किया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर जोर डालने के लिए जगह–जगह हुए स्वतरूस्फूर्त प्रतिरोध से साफ है कि जनमत का बहुत बड़ा हिस्सा इस मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ हो गया है। ऐसे में विपक्षी दलों को इस आंदोलन में श्राजनीतिक पूंजीच नजर आई हो, तो यह स्वाभाविक ही है। वैसे, अभी वक्त इस पूंजी को सहेजने तथा उसे और बढ़ाने का है, लेकिन विपक्षी पार्टियों में अभी से इसकी छीना–झपटी शुरू होने के संकेत मिलने लगे हैं। मंगलवार को उनमें कॉकरोच आंदोलन के प्रति समर्थन जताने की होड़ लग गई। इस दौरान कुछ पार्टियों ने हिरासत से छात्रों को रिहा कराने और जख्मी छात्रों के इलाज में मदद करने की सराहनीय पहल की। लेकिन शाम होते–होते इस पूंजी को ज्यादा से ज्यादा हथियाने की होड़ के संकेत भी मिलने लगे। शुरुआत में कांग्रेस ने ष्कॉकरोचोंष से दूरी बनाए रखी और उसके सोशल मीडिया समर्थक इस आंदोलन के पीछे किसी साजिश का संकेत देखते रहे। इस दौरान कॉकरोचों को आम आदमी पार्टी का मोर्चा या ष्राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियताष्से ध्यान भटकाने की भाजपा की साजिश साबित करने की पुरजोर कोशिश उन हलकों में हुई। लेकिन मंगलवार को जब देश भर से कॉकरोचों के लिए समर्थन उमड़ने लगा, तो कांग्रेस ने प्रधानमंत्री निवास के बाहर हाई प्रोफाइल धरना आयोजित कर दिया। मेनस्ट्रीम मीडिया में इसको मिली अहमियत से आम आदमी पार्टी को जलन महसूस हुई, तो उसके नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच मिलीभगत के आरोप सार्वजनिक रूप से लगा दिए। उधर महीने भर तक मुंह फेरे रहे कई दलों के नेता मंगलवार को हाजिरी लगाने जंतर–मंतर पहुंचे। जबकि होना यह चाहिए था कि ये तमाम दल आत्म–निरीक्षण करते कि जिस तरह जन मानस को कॉकरोचों ने आकर्षित कर लिया है, गुजरे 12 साल में वैसा करने में ये दल क्यों नाकाम रहे हैं?

बिट्टू की एंट्री से बदली पंजाब की चुनावी बिसात, नया समीकरण गढ़ने में भाजपा कामयाब

नीरज

केंद्रीय मंत्री पद से रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा पंजाब की राजनीति में भाजपा के सबसे बड़े चुनावी दांव के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बिट्टू विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पार्टी के चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो चुका था। इसके बाद उन्होंने रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। बिट्टू ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें देश और विशेष रूप से पंजाब की सेवा करने का अवसर मिला तथा उनका सार्वजनिक जीवन राष्ट्रवाद, सेवा और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे भी जारी रहेगा। पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू लंबे समय तक कांग्रेस में रहे। वर्ष 2009 में वह आनंदपुर साहिब से सांसद बने और बाद में दो बार लुधियाना का प्रतिनिधित्व किया। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थामा, लेकिन लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ चुनाव हार गए। इसके बाद उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। पंजाब की राजनीति में बिट्टू की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वह पिछले कुछ समय से पंजाब में भाजपा के संगठन और चुनावी तैयारी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि भाजपा का लक्ष्य पंजाब में ष्डबल इंजन सरकारष बनाना है और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के विजन को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाना है। दरअसल, बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। पंजाब में लगभग 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है, जबकि करीब 39 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके अलावा राज्य में लगभग 32 प्रतिशत दलित और लगभग 16 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग है। भाजपा की कोशिश इन चारों सामाजिक वर्गों में समानांतर स्वीकार्यता बढ़ाने की है। भाजपा की इसी नई रणनीति की झलक हाल में आई श्सतलुजश फिल्म को लेकर हुए विवाद में भी देखने को मिली थी। रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म का खुलकर विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ऐसे संवेदनशील विषय को उभारने का प्रयास है, जिससे पंजाब का माहौल दोबारा तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोशिश बताते हुए फिल्म पर सवाल उठाए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिट्टू का यह रुख भाजपा की बदली हुई चुनावी रणनीति का संकेत था। पहले जहां पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर अपेक्षाकृत आक्रामक भाषा का प्रयोग करती थी, वहीं अब वह सिख समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति को अधिक संतुलित और संयमित बना रही है। माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में सिख मतदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों पर सावधानीपूर्वक राजनीतिक संदेश देना चाहती है, ताकि हिंदू, सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग, इन चारों प्रमुख सामाजिक समूहों में समानांतर स्वीकार्यता विकसित की जा सके। राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनने की दिशा में लगातार काम किया है। इसका असर चुनावी आंकड़ों में भी दिखा, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में लगभग 6.6 प्रतिशत मत पाने वाली भाजपा का वोट प्रतिशत 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गया। यही कारण है कि पार्टी अब पंजाब में अकेले दम पर सत्ता हासिल करने का सपना देख रही है। हालांकि शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के रिश्तों को लेकर राजनीतिक अटकलें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान देखने को मिला था। जालंधर की सभा में प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और श्अकाली दलश तीनों पर निशाना साधते हुए कहा कि अकाली दल भी आपसी स्वार्थों के कारण पंजाब की प्रभावी सेवा नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री ने किसी विशेष अकाली गुट का नाम नहीं लिया, लेकिन शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बाद में दावा किया कि यह टिप्पणी उनकी पार्टी पर नहीं, बल्कि अन्य अकाली धड़ों के लिए थी। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि भाजपा और अकाली दल का लगभग 25 वर्षों पुराना गठबंधन 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर टूटने के बाद भी दोनों दलों के हर सार्वजनिक बयान को संभावित राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जाता है। हालांकि भाजपा नेतृत्व फिलहाल गठबंधन पुनर्जीवित करने की किसी संभावना से इंकार कर रहा है और अपने संगठन को स्वतंत्र रूप से मजबूत करने की बात कह रहा है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब की राजनीति में भाजपा और अकाली दल के संबंध इतने महत्वपूर्ण रहे हैं कि दोनों दलों के बीच होने वाला हर संवाद भविष्य की संभावनाओं के नजरिए से परखा जाता है। साथ ही भाजपा ने अपने राजनीतिक संदेश और भाषा में भी उल्लेखनीय बदलाव किया है। कभी ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाने वाली पार्टी अब सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक शिकायतों को अधिक संवेदनशीलता से संबोधित करती

दिखाई दे रही है। पार्टी लगातार कांग्रेस को ऑपरेशन ब्लू स्टार, पंजाब में आतंकवाद के दौर और 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जबकि स्वयं को सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है। देखा जाये तो भाजपा की इस बदली हुई राजनीतिक रणनीति की पृष्ठभूमि को समझने के लिए उसके पुराने रुख पर भी नजर डालना जरूरी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी आत्मकथा श्माय कंट्री, माय लाइफश में पंजाब में उग्रवाद के दौर के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए उग्रवाद को बढ़ावा दिया और हालात इतने बिगड़ने दिए कि अंततः ऑपरेशन ब्लू स्टार की नौबत आ गई। आडवाणी ने यह भी लिखा था कि भाजपा और अन्य दलों के देशव्यापी आंदोलनों के दबाव में तत्कालीन केंद्र सरकार को स्वर्ण मंदिर परिसर से उग्रवादियों को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। हालांकि अब पंजाब में चुनावी विस्तार की कोशिशों के बीच भाजपा की सार्वजनिक भाषा पहले की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और संवेदनशील दिखाई देती है। पार्टी अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को श्राष्ट्रीय त्रासदीश बताते हुए।

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

ललित

दिल्ली के जंतर–मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून–व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं,

बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग–ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति–प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है। राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे धरना–प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार–बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून–व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां–जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन–सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली–भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन–से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर–मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है।

देर से आए और दुरुस्त भी नहीं हैं

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस ने छात्रों के मुद्दे पर प्रदर्शन करने में बहुत देरी कर दी। अगर राहुल गांधी 17 जून की अपनी कोटा यात्रा के बाद इस अभियान को जारी रखते तो उनके सामने साख का सवाल नहीं खड़ा होता और न यह आरोप लगता कि वे कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि जून में भी कांग्रेस ने प्रदर्शन शुरू करने में बहुत देर कर दी थी। तीन मई को नीट यूजी की परीक्षा हुई थी और सात मई को पेपर लीक की खबर आ गई थी। एक साल के अंतराल पर यह दूसरी बार हुआ था। इससे पहले 2024 की नीट यूजी परीक्षा में भी पेपर लीक से लेकर परीक्षा केंद्र मैनेज होने की खबरें आई थीं। उस समय पूरी परीक्षा तो रद्द नहीं हुई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा था और कई केंद्रों पर दोबारा परीक्षा हुई थी। 2024 की परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। तभी एक साल के अंतराल पर फिर नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद छात्रों और युवाओं का उद्वेलित होना स्वाभाविक था। ध्यान रहे पिछले 10 साल में डेढ़ सौ परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। इनमें अनेक परीक्षाएं ऐसी हैं, जिनमें एक लाख से ज्यादा छात्र शामिल हुए थे। तभी मई के पहले हफ्ते में पेपर लीक की खबर आने और 12 मई को परीक्षा रद्द होने के बाद ही कांग्रेस को यह मुद्दा उठाना चाहिए था और सरकार को जवाबदेह ठहराना चाहिए था। लेकिन कांग्रेस ने इसकी लड़ाई भी सोशल मीडिया में लड़ी। जब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की एक टिप्पणी के आधार पर कॉकरोच जनता पार्टी बन गई और उसने छह जून के प्रदर्शन का ऐलान किया तब कांग्रेस ने उसके पीछे पीछे अपना कार्यक्रम घोषित किया। कांग्रेस ने तय किया कि राहुल गांधी 17 जून को कोटा जाएंगे। उसके बाद एक लंबा गैप होगा, करीब 23 दिन का। फिर वे 10 जुलाई को प्रयागराज और 11 जुलाई को पटना में छात्रों से संवाद करेंगे और उसके बाद इन तीन कार्यक्रमों का समापन दिल्ली में होगा। यह 23 दिन का जो गैप था वह राहुल गांधी की अगंभीरता और उनकी राजनीति में निरंतरता की कमी को दिखाता है। बताया जा रहा है कि उनका 20 दिन से ज्यादा के लिए विदेश दौरे का निजी कार्यक्रम बना हुआ था। गौरतलब है कि लगभग उसी समय नीट यूजी के 23 लाख छात्र और सीबीएसई के 10वीं की बोर्ड के 18 लाख के करीब छात्र अपनी समस्याओं से जूझ रहे थे। सीबीएसई की ऑनस्क्रीन मार्किंग व्यवस्था ने छात्रों को बहुत परेशान किया था। लेकिन राहुल गांधी ने देश में रहते हुए भी इसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाया और फिर पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक विदेश चले गए। ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी देश के छात्रों व युवाओं को यकीन दिला पाएंगे कि जरुरत होने पर वे उनके साथ खड़े होंगे और उनका मुद्दा उठाएंगे? इसमें संदेह है। राहुल गांधी ने मंगलवार, 21 जून को प्रधानमंत्री आवास के बाहर जो प्रदर्शन किया वह परफॉर्मेटिव पोलिटिक्स का बेहतरीन उदाहरण है। लेकिन उसके पीछे नैतिक बल और प्रतिबद्धता नदारद है। तभी उनके प्रदर्शन में कांग्रेस के लोग जुटे और कांग्रेस के नेताओं ने भीड़ जुटाई। वह भीड़ उस तरह से ऑर्गेनिक नहीं थी, जैसी जंतर मंतर पर जुटी थी या अब भी जंतर मंतर पर जमी है। छात्रों के ऊपर लाठीचार्ज का मुद्दा उठा कर बुधवार, 22 जुलाई को राहुल गांधी और अन्य विपक्षी सांसद काले कपड़े पहन कर संसद में पहुंचे। लेकिन वास्तविकता यह है कि जब छात्र अपनी समस्याओं से जूझ रहे थे और जंतर मंतर पर लाठी खा रहे थे तब कांग्रेस वहां नहीं थी। इसलिए आगे भी यह यकीन करना मुश्किल होगा कि समय आने पर कांग्रेस वहां मौजूद रहेगी। कांग्रेस के साथ दूसरी समस्या यह है कि उसके शासन में भी प्रतियोगिता परीक्षाओं के पेपर लीक होते थे। अकेले राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के पिछले शासन काल में यानी 2018 से 2023 के बीच 19 बड़ी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे। जैसे अभी केंद्र सरकार किसी की जिम्मेदारी तय नहीं कर रही है वैसे ही कांग्रेस ने भी राजस्थान में किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की थी। सो, कांग्रेस और राहुल गांधी के सामने कई स्तर पर विश्वसनीयता का संकट है। यह संकट सिर्फ निरंतरता और प्रतिबद्धता से दूर हो सकता है। राहुल गांधी की राजनीति में कुछ मामलों में प्रतिबद्धता तो दिखती है लेकिन निरंतरता का घनघोर अभाव है। अब भी वे आंदोलन में हिस्सा लेने तभी उतरे हैं, जब उनका विदेश दौरा पूरा हो गया, संसद का सत्र चालू हो गया और 20 जुलाई को संसद मार्च में छात्रों व युवाओं की उग्र भावनाओं का ज्वार दिल्ली की सड़कों पर दिखा। इससे पहले ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस ने मान लिया था कि इस मामले में अब कोई दम नहीं है क्योंकि 21 जून को दोबारा परीक्षा हो गई और अब तो नतीजे भी आ गए। कांग्रेस के लोग कहेंगे कि राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम में हिस्सा लेने देहरादून गए थे। लेकिन उसमें राज्य में छह महीने बाद होने वाले चुनाव की तैयारियों की चिंता ज्यादा है। हालांकि ऐसा नहीं है कि जंतर मंतर पर आंदोलन का नेतृत्व कर रही कॉकरोच जनता पार्टी बहुत प्रतिबद्ध संगठन है।

नजरअंदाज नहीं की जा सकती जेन जेड की नाराजगी

लेखा रत्तनानी

पड़ोसी देशों में हुए विरोध–प्रदर्शनों का संदर्भ निकालना संभव है लेकिन यह साफ है कि नेपाल और पड़ोसी देशों की तुलना में भारत अपने बड़े आकार को देखते हुए अलग स्थिति में है। इतने बड़े देश में विरोध का बढ़ना लोकतांत्रिक व्यवस्था में सेफ्टी वॉल्व के महत्व को दिखाता है। जैसा कि हम आज देख रहे हैं– जब इन्हें दबाया या ब्लॉक किया जाता है तो भारत जैसे बड़े देश में भी भाप नए तरीकों से निकल सकती है।20 जुलाई को जब दिल्ली में सुबह हुई तो जंतर–मंतर एक युद्ध के मैदान में बदलने लगा। नई दिल्ली की 300 साल पुरानी वेधशाला की ओर जाने वाली सड़कों पर छात्र उतर आए। कई युवा रात भर का सफर कर पड़ोसी राज्यों और देश के दूसरे हिस्सों से उस जगह पर जमा हुए जो भारत में छात्रों का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन बन गया है। हाथ से बने पोस्टर और प्लेकार्ड लेकर वे भारत की संसद तक मार्च करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्ती+फे की मांग करने आए थे। पूरे भारत में मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी–कम–एंट्रेंस टेस्ट (नीट) के पेपर लीक होने के बाद यह सब हुआ। जंतर–मंतर से संसद तक की दूरी 2 किलोमीटर से भी कम है लेकिन यह रास्ता लंबा साबित हुआ। दुनिया यह सब देख रही थी तो छात्रों के जुलूस को बुरी तरह रोका गया। वे लाउडस्पीकर लगे एक ट्रक के पीछे चल रहे थे जो संसद का रास्ता दिखा रहा था। प्रदर्शनकारियों का सामना जंतर–मंतर से लगभग 500 मीटर दूर सात फुट ऊंचे मेटल बैरिकेड्स की दीवार से हुआ। इसके बाद उन्हें आंसू गैस के गोले, वॉटर कैनन, दंगा–रोधी गाड़ियां और पुलिस बल का सामना करना पड़ा। निषेधाज्ञा, सरकार के आदेश पर इंटरनेट बंद करने और लाठी लिए दिल्ली पुलिस की बाधाओं को छात्रों का गुस्सा पार कर गया। इसकी तस्वीरें हर जगह हैं जिनमें एक कॉन्स्टेबल बेहोश लड़के को हिलाकर होश में लाने की कोशिश कर रहा है, छात्रों की पिटाई हो रही है, कपड़े फाड़े जा रहे हैं और उन्हें घसीटा जा रहा है। यह युवाओं और सरकारी तंत्र के बीच का टकराव है जिसमें बल प्रयोग हुआ, कई लोग घायल हुए और कम से कम 150 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यह विरोध–प्रदर्शन गुस्से और अचानक उपजे जोश से भरा है। जो लोग अव्यवस्था के बजाय व्यवस्था चाहते हैं उनके लिए राजनीतिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव बताते हैं कि इतिहास गवाह है कि ऐसे आंदोलन गुस्से से ही पनपे हैं।भारतीय शिक्षा व्यवस्था को खराब करने वाले बढ़ते कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार, शासन की कमी, बढ़ती लागत, कोचिंग हब और तकनीकी गड़बड़ियों के खिलाफ निराशा और गुस्सा सामने आया है। हद तब हो गई जब 3 मई को डॉक्टर बनने के इच्छुक लगभग 22 लाख छात्रों ने मेडिकल परीक्षा दी। नौ दिन बाद पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को दोबारा परीक्षा हुई लेकिन मेडिकल परीक्षा की तैयारी में दो साल से ज्यादा समय बिताने वाले छात्रों पर इसका बहुत बुरा असर पड़ा और कम से कम 20 युवाओं की आत्महत्या की खबरें आईं।मई से भारत में एक अनोखे नाम वाले दल श्कॉकरोच जनता पार्टीच (सीजेपी) की तरफ से विरोध–प्रदर्शनों की एक नई लहर देखी जा रही है। यह पार्टी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले सत्ताधारी गठबंधन को टक्कर दे रही है। सीजेपी का उदय अचानक ही हुआ और देखते ही देखते लाखों लोग इससे जुड़ गए। पार्टी ने 6 जून को नई दिल्ली में अपना पहला बड़ा जमीनी विरोध प्रदर्शन किया जिसमें शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई। इसके अलावा आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने और लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से रिहा करने की भी मांग की जा रही है। वांगचुक की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें 18 जुलाई को जबरदस्ती सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था लेकिन अब उन्हें गुरुग्राम के एक प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। वांगचुक ने 28 जून को जंतर–मंतर पर छात्रों का साथ देकर उनकी आवाज को सबके सामने रखा और उनके समर्थन में श्कॉकरोचश के बैनर तले अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की।विरोध के प्रतीक के तौर पर मई में बोस्टन यूनिवर्सिटी के छात्र और पॉलिटिकल कम्युनिकेशन स्ट्रैटेजिस्ट अभिजीत दिपके ने श्कॉकरोचश (तिलचट्टा) का विचार दिया था। यह नाम भारत के चीफ जस्टिस की एक टिप्पणी से आया जिसमें उन्होंने नौकरी न पाने वाले युवाओं के बारे में बात करते हुए कॉकरोच का जिक्र हल्के–फुल्के अंदाज में किया था। जब दिपके ने विरोध के प्रतीक के तौर पर कॉकरोच का इस्तेमाल किया तो उन्हें जो प्रतिक्रिया मिली उससे वे हैरान रह गए। चीफ जस्टिस ने साफ किया था कि उनका मतलब सिर्फ उन लोगों से था जो नौकरी पाने के लिए फर्जी डिग्री का इस्तेमाल करते हैं, न कि देश के युवाओं से। किन्तु यह बात उन कॉकरोच के नीचे दब गई जो मीम्स, वीडियो, गानों और अब जमीनी स्तर पर विरोध प्रदर्शनों में दिखाई दे रहे हैं। अपने विरोध को एक ठोस रूप देने के लिए दिपके 6 जून को बोस्टन से लौटे थे।कॉकरोच के डिजिटल रूप को सरकार नजरअंदाज कर सकती थी और उसने किया भी, लेकिन दिल्ली में हो रहे जमीनी विरोध को दबाया नहीं जा सकता। इसने हजारों छात्रों को राष्ट्रीय राजधानी की ओर आकर्षित किया है और पूरे देश में विरोध–प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। बड़े पैमाने पर फैल रहे इस विरोध से पहले भी कॉकरोच चर्चा का विषय रहा है क्योंकि चीफ जस्टिस ने भारत के एक और अहम मुद्दे– बेरोजगारी पर बात की है। भारत में अनुमानित श्1.1च करोड़ युवा ग्रेजुएट्स के लिए आज बेरोजगारी एक गंभीर सच्चाई है। इस साल मार्च में प्रकाशित एक प्रमुख सालाना लेबर रिपोर्ट (श्द स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026श– भारत में स्वतंत्र अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की नवीनतम जॉब्स रिपोर्टश) के पांचवें संस्करण से पता चलता है कि 20–29 साल की उम्र के सभी बेरोजगार युवाओं में से 67 प्रतिशत ग्रेजुएट हैं। यानी 148 करोड़ की आबादी वाले यानी श्युवाश देश में 1.1 करोड़ लोग, जहां औसत उम्र 29.2 साल है और 52 प्रतिशत आबादी 30 साल से कम उम्र की है, वे बेरोजगार हैं। दो दशक पहले बेरोजगार युवाओं की श्रेणी में ग्रेजुएट्स की संख्या इससे आधी से भी कम मतलब 32 प्रतिसैकड़ा थी। इन दो दशकों में युवा आबादी में उनकी हिस्सेदारी 10 से बढ़कर 28 फीसदी हो गई है। बेरोजगारी अब एक कठोर और लगातार बनी हुई आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में है जिसे मध्य पूर्व के संघर्ष ने और बढ़ा दिया है। कुछ अर्थशास्त्रियों के अनुसार यह स्थिति पिछले 50 सालों में सर्वाधिक गंभीर है। कुछ मायनों में भारत एक बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहा है। श्कॉकरोच पार्टीश लोकतंत्र में असहमति जाहिर करने का एक अनोखा और अप्रत्याशित तरीका है और यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब देश अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े कई तरह के दबावों का सामना कर रहा है। हालांकि पड़ोसी देशों में हुए विरोध–प्रदर्शनों का संदर्भ निकालना संभव है लेकिन यह साफ है कि नेपाल और पड़ोसी देशों की तुलना में भारत अपने बड़े आकार को देखते हुए अलग स्थिति में है। इतने बड़े देश में विरोध का बढ़ना लोकतांत्रिक व्यवस्था में सेफ्टी वॉल्व के महत्व को दिखाता है। जैसा कि हम आज देख रहे हैं– जब इन्हें दबाया या ब्लॉक किया जाता है तो भारत जैसे बड़े देश में भी भाप नए तरीकों से निकल सकती है।

जौहर विश्व विद्यालय के 38 भवनों के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण पर रोक की मांग, राज्यपाल के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा, उत्तर प्रदेश की जनपद इकाई ने रामपुर स्थित गौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने की प्रस्तावित कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। इस संबंध में जिला महासचिव आरिफ हबीब एवं प्रदेश सचिव डॉ गयासुद्दीन के नेतृत्व में महामहिम को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी जौनपुर के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विधिसम्मत जांच कराए जाने तथा न्यायोचित समाधान सुनिश्चित करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय प्रदेश का एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है, जहां हजारों विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और अन्य लोग भी इस संस्थान से जुड़े हुए हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक अथवा कानूनी कार्रवाई का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों की शिक्षा और उनके भविष्य पर पड़ सकता है। इसलिए सरकार को कोई भी निर्णय छात्रहित और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लेना चाहिए। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय के निर्माण अथवा भूमि से संबंधित कोई विवाद है, तो उसका समाधान न्यायालय एवं विधिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए। ध्वस्तीकरण जैसी कठोर कार्रवाई अंतिम विकल्प होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होने के साथ समाज में असुरक्षा और भ्रम का वातावरण भी उत्पन्न हो सकता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय के निर्माण के समय संबंधित क्षेत्र ग्राम पंचायत के अधिकार क्षेत्र में था और तत्कालीन नियमों के अनुसार निर्माण अनुमति की आवश्यकता नहीं थी। बाद में उक्त क्षेत्र रामपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में शामिल किया गया। ऐसे में सभी तथ्यों और कानूनी पहलुओं की समुचित समीक्षा किए बिना ध्वस्तीकरण की कार्रवाई उचित नहीं होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनवारुल हक गुड्डू, पूर्व प्रदेश सचिव कलीम अहमद, राष्ट्रीय सचिव अनवर प्रदेश सचिव शबनम बाज कमाल मो अहान, सभासद मो आरिफ, सरताज सहित समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गंभीर हेपेटाइटिस बी के मरीज का मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, में सफल लिवर ट्रांसप्लांट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।उन्नत लिवर ट्रांसप्लांट सेवाओं के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, के डॉक्टरों ने हेपेटाइटिस बी संक्रमण के कारण एंड स्टेज लिवर डिजीज से पीड़ित 36–वर्षीय मरीज का सफल लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट किया। बाराबंकी निवासी, अबरार रिंकू अली को 3 महीने पहले हेपेटाइटिस बी संक्रमण के कारण डीकंपेन्सेटेड क्रॉनिक लिवर डिजीज और पोर्टल हाइपरटेंशन की समस्या का पता चला था। इस बीमारी के कारण उन्हें ऊपरी पाचन तंत्र से खून आने की समस्या हुई, जिसके लिए दवाओं और एंडोस्कोपी के जरिए इलाज किया गया। हालांकि, अपने शहर में इलाज के बावजूद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई। इसके बाद अबरार का परिवार मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, पहुंचा और यहाँ हेपेटो पैंक्रियाटो बिलेरी एंड लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के डायरेक्टर – डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी, से परामर्श लिया। जैसे जैसे उनकी लिवर की बीमारी बढ़ी, डॉक्टरों ने लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट को सबसे प्रभावी इलाज बताया। ट्रांसप्लांट से पहले सभी जरूरी जांच की गईं। जांच में पेट, लिवर और तिल्ली के आसपास नसों का असामान्य रूप से बढ़ जाना पाया गया, जो एडवांस पोर्टल हाइपरटेंशन और गंभीर लिवर बीमारी का संकेत था। इसके बाद मरीज का सफल लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। इस सर्जरी में उनकी बहन ने अपने लिवर का दायां हिस्सा दान किया। उनके लिवर का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा मरीज में प्रत्यारोपित किया गया। सर्जरी सफल रही और डोनर तथा मरीज, दोनों की रिकवरी अच्छी रही। इस बारे में जानकारी देते हुए मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में हेपेटो पैंक्रियाटो बिलेरी एंड लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के डायरेक्टर – डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी, ने कहा, ष्हेपेटाइटिस बी धीरे धीरे लिवर को नुकसान पहुंचाता है। यदि समय पर इसकी पहचान और सही इलाज न हो तो यह आगे चलकर जानलेवा जटिलताओं का कारण बन सकता है। इस मरीज के मामले में समय पर जांच और विशेषज्ञों की टीम के संयुक्त प्रयास से यह तय किया गया कि लिवर ट्रांसप्लांट सबसे उपयुक्त इलाज है। मरीज की रिकवरी अच्छी हुई, नया लिवर सही तरीके से काम कर रहा है और उनके जीवन की गुणवत्ता में भी काफी सुधार आया है। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के विशेषज्ञों ने कहा कि समय पर जांच, नियमित निगरानी और सही एंटीवायरल इलाज से हेपेटाइटिस बी से होने वाली लिवर की गंभीर बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है। वहीं जिन मरीजों में लिवर पूरी तरह खराब हो जाता है, उनके लिए लिवर ट्रांसप्लांट लंबे समय तक स्वस्थ जीवन और बेहतर जीवन गुणवत्ता का प्रभावी विकल्प साबित हो सकता है।

गुरु रविदास जयंती पर समरसता संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी मछलीशहर द्वारा रविवार को सीहीपुर स्थित जिला कार्यालय पर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की आगामी जयंती के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान की जिला कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह ने की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि संत गुरु रविदास का जीवन सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का अनुपम संदेश देता है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास ने जाति–पांति, ऊंच–नीच और सामाजिक भेदभाव का विरोध करते हुए समाज को एकता, भाईचारे और सद्भाव का मार्ग दिखाया। आज उनके विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी श्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासश के संकल्प के साथ सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आगामी गुरु रविदास जयंती के अवसर पर चलाए जाने वाले समरसता संकल्प अभियान के तहत कार्यकर्ता गांव–गांव, बूथ–बूथ और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर संत रविदास के विचारों का प्रचार–प्रसार करेंगे तथा सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश देंगे। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से अभियान के सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि समरस समाज ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है। प्रत्येक कार्यकर्ता को इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करना होगा। कार्यशाला को डॉ. हरेंद्र प्रसाद सिंह, सुषमा पटेल और गुलाबचंद सरोज ने भी संबोधित किया। भूमि विकास बैंक के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन अभियान संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह ने किया। इस अवसर पर संतोष मिश्रा, अभिषेक रावत, स्कन्द पटेल, अतुल कुमार पांडेय, सुदर्शन सिंह, धनंजय कश्यप, मनोज सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जौनपुर के आशीष सोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से किया सीधा संवाद विश्व के सबसे ऊंचे डाकघर हिक्किम का साझा किया अनुभव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर के बदलापुर ब्लॉक निवासी युवा आशीष सोनी ने रविवार को एक विशेष वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधे बातचीत कर जनपद का गौरव बढ़ाया। यह अवसर उन्हें युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था श्मेरा युवा भारतश द्वारा गृह मंत्रालय और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सहयोग से आयोजित श्विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रमश के तहत मिला। देशभर से आयोजित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए लगभग 2.7 लाख युवाओं ने क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया था, जिनमें से केवल 403 प्रतिभागियों का चयन किया गया। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद का प्रतिनिधित्व करने वाले आशीष सोनी भी इन चुनिंदा युवाओं में शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल–स्पीति की स्पीति घाटी स्थित काजा खास गांव में रहकर सीमावर्ती क्षेत्रों के जनजीवन, संस्कृति और विकास कार्यों का अनुभव प्राप्त किया। वर्चुअल संवाद के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आशीष से विश्व के सबसे ऊंचे डाकघर हिक्किम के अनुभव के बारे में जानकारी ली। आशीष ने बताया कि उन्होंने इसी डाकघर से प्रधानमंत्री के नाम एक पत्र भेजा था। उन्होंने यह भी बताया कि समुद्र तल से 15 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित इस दुर्गम क्षेत्र में भी क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली पूरी तरह सक्रिय है, जो डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता का प्रमाण है। आशीष ने प्रधानमंत्री को स्वयं सहायता समूहों के साथ किए गए कार्यों तथा ग्रामीणों को दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के अपने अनुभव भी साझा किए। उन्होंने चिचम पुल के निर्माण से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों और विशेष रूप से रात्रिकालीन पर्यटन को मिले बढ़ावा का भी उल्लेख किया, जिसकी प्रधानमंत्री ने सराहना की। संवाद के बाद आशीष सोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री से सीधे बातचीत करना उनके जीवन का अविस्मरणीय क्षण है। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उन्हें राष्ट्र निर्माण और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए निरंतर प्रेरित करता रहेगा। श्मेरा युवा भारतश का यह कार्यक्रम युवाओं को श्विकसित भारत /2047श के संकल्प से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

राजधानी में बदमाशों का खूनी तांडव, व्यापारी को घर में बनाया बंधक

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के इंदिरानगर थाना क्षेत्र स्थित अमराई गांव (बजरंग चौराहा) में शुक्रवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने घर में घुसकर खूनी वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने लॉकर तोड़कर लूटपाट का प्रयास किया। विरोध करने पर उन्होंने घर में मौजूद दंपती और उनकी बेटी पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार, देर रात बदमाश घर में घुसे और लॉकर तोड़ने की कोशिश करने लगे। आवाज सुनकर घर में मौजूद उमेश चंद्र (55), उनकी पत्नी शांति देवी और बेटी सीमा जाग गए। तीनों ने बदमाशों का विरोध किया तो हमलावरों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। कुछ देर बाद होश में आई शांति देवी ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित परिवार के बेटे दीपक गुप्ता ने बताया कि घर से कितनी नकदी और सामान चोरी हुआ है, इसका अभी आकलन नहीं हो सका है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि बदमाशों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन, पूर्व सैनिक संगठन ने वीर परिवारों का किया सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन की ओर से रविवार को कचहरी रोड स्थित सैनिक कल्याण कार्यालय में 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। संगठन का यह चौथा कारगिल विजय दिवस समारोह रहा, जिसमें 1999 के कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में कारगिल युद्ध के वीर जवानों के परिजनों को अंगवस्त्र एवं स्मृति–चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने शहीदों के अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान को याद करते हुए कहा कि देश उनकी वीरता का सदैव ऋणी रहेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैप्टन अजीत पांडेय ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने विपरीत परिस्थितियों में भी अद्वितीय पराक्रम का परिचय देते हुए पाकिस्तानी सैनिकों और घुसपैठियों को खदेड़कर देश की एक–एक इंच भूमि को मुक्त कराया था। उन्होंने बताया कि शून्य से कई डिग्री नीचे तापमान, 16 से 18 हजार फीट की ऊंचाई, ऑक्सीजन की कमी और दुश्मन की लगातार गोलाबारी जैसी विषम परिस्थितियों के बावजूद भारतीय सैनिकों ने टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 5140, प्वाइंट 4875 और खालूबार रिज जैसी दुर्गम चोटियों पर विजय प्राप्त कर विश्व के सामने भारतीय सेना के अदम्य साहस का परिचय दिया। वक्ताओं ने कहा कि कारगिल युद्ध के बाद भारत ने रक्षा तैयारियों, खुफिया समन्वय, सीमा अवसंरचना और सैन्य आधुनिकीकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति, तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क एवं सुरंग निर्माण, आधुनिक निगरानी प्रणाली और आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने जैसे कदमों से देश की सामरिक क्षमता और अधिक मजबूत हुई है। समारोह का समापन शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

विश्वास का फायदा उठाकर की लाखों की चोरी, खाना बनाने वाली महिला गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के आलमबाग क्षेत्र में एक परिवार के विश्वास को तोड़ते हुए घर में खाना बनाने का काम करने वाली महिला पर लाखों रुपये के आभूषण चोरी करने का आरोप लगा है। थाना आलमबाग पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 10 लाख रुपये मूल्य के चोरी हुए सभी सोने के आभूषण बरामद करने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने घर में काम करने के दौरान परिवार की दिनचर्या और आभूषण रखे जाने की जानकारी हासिल की थी, जिसके बाद सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया।पुलिस के अनुसार, चंदर नगर, आलमबाग निवासी नितिन नैय्यर ने 23 जुलाई 2026 को थाना आलमबाग में शिकायत दर्ज कराई थी कि 22 जुलाई को उनके घर की अलमारी का लॉक तोड़कर अज्ञात व्यक्ति सोने के आभूषण चोरी कर ले गया। शिकायतकर्ता ने घर में खाना बनाने का कार्य करने वाली रिंकी पत्नी रामू धानू पर संदेह जताया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना आलमबाग पुलिस ने एक विशेष टीम गठित की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तकनीकी साक्ष्य जुटाए और संदिग्धों से पूछताछ की। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर 24 जुलाई को आरोपी रिंकी को उसके आवास, जयप्रकाश नगर चौराहा, कृष्णानगर से गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी महिला ने स्वीकार किया कि वह लंबे समय से शिकायतकर्ता के घर खाना बनाने का कार्य कर रही थी। इस दौरान उसे घर के सदस्यों की दिनचर्या, उनके आने–जाने का समय और अलमारी में आभूषण रखे जाने की जानकारी हो गई थी।

संक्षिप्त खबरें

हल्की बारिश से भिगेगा शहर

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में शुक्रवार को पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे। बारिश तो नहीं हुई लेकिन मौसम में नरमी जरूर महसूस हुई। मौसम विभाग ने शनिवार को राजधानी में हल्की बारिश का आसार जताया है। आसपास के क्षेत्रों में गरज–चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी भी दी है। प्रादेशिक मौसम केंद्र के अनुसार शुक्रवार को लखनऊ में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से 0.2 डिग्री कम था। शनिवार को भी तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। राजधानी और इसके आसपास के क्षेत्रों में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज बदला नजर आ सकता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि शनिवार को आसपास के इलाकों में मुख्य रूप से बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। इस दौरान हल्की बारिश होने की संभावना भी है। शनिवार को अधिकतम तापमान लगभग 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान डिग्री 26 सेल्सियस रहने का अनुमान है।

हाईकोर्ट ने आवास आयुक्त को किया तलब

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट ने यूपी आवास एवं विकास परिषद की ओर से नगर निगम को 47 करोड़ रुपये न देने के मामले में आवास आयुक्त को 12 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश होकर जवाब देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर नगर निगम को यह देय धनराशि 12 अगस्त से पहले जारी कर दी जाए तो आवास आयुक्त को पेश नहीं होना होगा। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह आदेश वृंदावन जनकल्याण विकास समिति की याचिका पर दिया। सुनवाई के समय नगर निगम के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि आवास एवं विकास परिषद को वृंदावन कॉलोनी नगर निगम को हस्तांतरित करते समय 47 करोड़ रुपये देने थे। इसमें से सिर्फ सात करोड़ रुपये ही दिए गए हैं। कई अनुस्मारक भेजने के बावजूद भी बाकी धनराशि नहीं दी गई। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी।

अधिवक्ता के वेश में आपराधिक गतिविधियों की शिकायतों के लिए विशेष प्रकोष्ठ सक्रिय

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने अधिवक्ताओं के वेश में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध गठित विशेष प्रकोष्ठ की जानकारी का व्यापक प्रचार–प्रसार शुरू किया है। यह प्रकोष्ठ इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में विचाराधीन एक रिट याचिका में 2 दिसंबर 2023 को पारित आदेश के अनुपालन में गठित किया गया था।पुलिस के अनुसार, 8 दिसंबर 2023 को पुलिस आयुक्त द्वारा संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) को इस विशेष प्रकोष्ठ का नोडल अधिकारी नामित किया गया था। यह प्रकोष्ठ ऐसे मामलों की निगरानी करता है, जिनमें अधिवक्ता के वेश में आपराधिक तत्व संगठित गिरोह बनाकर भूमि, भवन, प्लॉट, मकान या अन्य संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने अथवा अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप सामने आते हैं।पुलिस ने बताया कि हाईकोर्ट ने इस प्रकोष्ठ के संबंध में समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिए थे।

विधि छात्र ने शिक्षिका पर लगाए गंभीर आरोप, राज्यपाल से मांगा मिलने का समय

लखनऊ, (संवाददाता)। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के एलएलएम अंतिम वर्ष के छात्र पवन कुमार ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल से मुलाकात का समय दिए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि वह अपने मामले से जुड़े दस्तावेज और साक्ष्य प्रस्तुत कर निष्पक्ष जांच की मांग करना चाहते हैं।पवन कुमार का आरोप है कि विधि विभाग की शिक्षिका डॉ. कामिनी विश्वकर्मा ने उनके साथ जातिगत उत्पीड़न, मानसिक एवं शारीरिक शोषण तथा अपमानजनक व्यवहार किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आंतरिक परीक्षा में जानबूझकर कम अंक देकर उनके शैक्षणिक भविष्य को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। छात्र का कहना है कि उनके अंतिम वर्ष का परिणाम हुए रोक दिया गया है।मीडिया से बातचीत में पवन कुमार ने दावा किया कि वह एलएलएम में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने के बावजूद अब तक अपनी डिग्री प्राप्त नहीं कर सके हैं। उनका आरोप है कि बिना उचित कारण डिग्री रोके जाने से उनके रोजगार और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर डिग्री मिलने पर वह नौकरी की तैयारी कर अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां निभा सकते थे।छात्र ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और डिग्री लंबित होने के कारण रोजगार के अवसर भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए, ताकि उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच कर न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम से ग्रामीण महिलाओं को मिली नई पहचान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम को बड़ी सफलता बताते हुए कहा है कि इस पहल ने हजारों महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका और स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध कराया है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अनुसार, कार्यक्रम से जुड़ी महिलाओं ने मात्र छह माह में दो करोड़ रुपये से अधिक का सामूहिक कमीशन अर्जित किया है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य महिलाओं को केवल सरकारी योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें विकास प्रक्रिया का सक्रिय सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाना है। उन्होंने कहा कि एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम इसी सोच का प्रभावी उदाहरण है, जिसने ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता के नए अवसर पैदा किए हैं।उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से महिलाओं को अतिरिक्त आय का स्रोत मिलने के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता और सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। उनके अनुसार, बीमा सखियां अपने गांवों में महिला सशक्तिकरण और वित्तीय जागरूकता की प्रेरक बनकर उभरी हैं।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मुताबिक, एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम के तहत अब तक 4,900 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 1,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर बीमा सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में बीसी सखी, बैंक सखी तथा अन्य सामुदायिक कैडर से जुड़ी महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है।

खेत की पैमाइश कराने के नाम पर खुलेआम रिश्वत लेने का आरोप

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

आजमगढ़। उपजिलाधिकारी मार्टिनगंज तहसील, जनपद आजमगढ़ को दिए गए प्रार्थना पत्र में किसान नेता विनोद सिंह ने कहा कि खेत की पैमाइश के नाम पर रिश्वत लेने वाले कानूनगो एवं संबंधित राजस्व कर्मियों के विरुद्ध तत्काल निलंबन, विभागीय जांच एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई किए जाने बाबत दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि भारतीय किसान यूनियन, उत्तर प्रदेश, जनपद आजमगढ़ की और से आपका ध्यान मार्टिनगंज तहसील में व्याप्त गभीर भ्रष्टाचार की और आकृष्ट कराना अत्यंत आवश्यक हो गया है। तहसील में तैनात कानूनगो रामबचन यादव द्वारा खेत की पैमाइश कराने के नाम पर खुलेआम रिश्वत लेने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के माध्यम से सार्वजनिक हुआ है, जिसने पूरे राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को संदेह के घेरे में खड़ा कर दिया है। वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि पीड़ित किसान से 500–500 रुपये के आठ नोट, कुल 4000 रुपये, रिश्वत के रूप में लिए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आमगांव ब्लॉक निवासी किसान श्री धनश्याम गौतम अपने खेत की वैधानिक पैमाइश कराने हेतु लंबे समय से तहसील के चक्कर लगा रहे थे तथा उन्होंने कई बार तहसील दिवस में लिखित शिकायत भी प्रस्तुत की थी। इसके बावजूद उनकी समस्या का समाधान करने के बजाय संबंधित राजस्व कर्मियों द्वारा अवैध धनराशि की मांग की गई। यह प्रकरण न केवल भ्रष्टाचार का गंभीर उदाहरण है, बल्कि किसानों एवं गरीब नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का खुला शोषण भी है। राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों द्वारा किसानों को पताड़ित कर अवैध वसूली करना अत्यंत निंदनीय एवं प्रशासनिक व्यवस्था के लिए शर्मनाक स्थिति है। यदि ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो आम जनता का प्रशासन से विश्वास समाप्त हो जाएगा तथा भ्रष्टाचार को खुला संरक्षण मिलने का संदेश जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रभारी विनोद सिंह ने इस पूरे मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए चेतावनी दी है कि यदि दोषी कानूनगो एवं संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन तहसील स्तर से लेकर जनपद स्तर तक व्यापक आंदोलन एवं धरना–प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अतः भारतीय किसान यूनियन, उत्तर प्रदेश की ओर से मांग की जाती है कि– वायरल वीडियो की तत्काल निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। आरोपी कानूनगो रामबचन यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। रिश्वतखोरी में शामिल अन्य संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच कर कठोर विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई की जाए। पीड़ित किसान को न्याय दिलाते हुए उसकी भूमि की पैमाइश निष्पक्ष रूप से कराई जाए। भविष्य में किसानों के शोषण को रोकने हेतु तहसील स्तर पर भ्रष्टाचार विरोधी प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए।

टूटते रिश्तों को जोड़ने व मिशन शक्तिअभियान के तहत जागरुक करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला

अयोध्या। पुलिस की भूमिका केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है,बल्कि समाज में विश्वास, सुरक्षा और पारिवारिक सौहार्द स्थापित करना भी उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।इसी दायित्व का निर्वहन करते हुए रुतेज तर्रार व अनुभवी महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी संवेदनशील कार्यशैली,धैर्य और सूझबूझ के बल पर दर्जनों बिखरते परिवारों को फिर से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही है।उनके कार्यशैली की तारीफ रविवार को दूर दूर से अपनी फरियाद लेकर आने वाली महिलाओ तथा परिजनों ने किया।देखा जाये प्रतिदिन दूर से आने वाले न्याय की आस लिये महिला थाना पहुंचने वाले पति–पत्नी के विवादों में उन्होंने केवल कानूनी प्रक्रिया तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि दोनों पक्षों को अपने सूझबूझ से समझाकर व उनकी समस्याओं को सुनकर और आपसी संवाद स्थापित कर अनेक परिवारों

को टूटने से बचाने का काम कर रही है।देखा जाये तो उनके प्रयासों से कई घरों में फिर से खुशियां लौटी हैं और बच्चों का भविष्य सुरक्षित हुआ है।वही एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के अलावा मिशन शक्ति अभियान के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण (आईपीएस) बलवंत चौधरी तथा एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के निर्देश पर अयोध्या पुलिस द्वारा चलाए जा रहे महिला सुरक्षा व जन जागरुकता अभियानों को धरातल पर सफल बनाने में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला की भी महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई दे रही है।मिशन शक्ति अभियान के तहत वे अपनी टीम के साथ महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक करने में उन्होंने उल्लेखनीय योगदान कर रही है।वही राम नगरी मे आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, मेलों, धार्मिक आयोजनों एवं विशेष अभियानों में भी उनकी सक्रिय भूमिका निभा रही है।बताते चले कि रामनगरी अयोध्या में आयोजित बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान महिला सुरक्षा, शिकायत निस्तारण और जनसंपर्क के क्षेत्र में उनकी कार्यशैली को व्यापक सराहना मिली है।इस संबंध मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला का मानना है कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास का संबंध जितना मजबूत होगा,समाज उतना ही सुरक्षित और सशक्त बनेगा।यही कारण है कि उनके पास पहुंचने वाली महिलाओं को केवल कानूनी सहायता ही नहीं, बल्कि भावनात्मक संबल और न्याय का भरोसा भी मिलता है।

रामनगरी से झांसी,मथुरा तथा रुद्रपुर (उत्तराखंड) के लिये रोडवेज बस चलने से मिली बस यात्रियों को राहत

अयोध्या। रामनगरी से झांसी मथुरा तथा रुद्रपुर उत्तराखंड जाने वाले बस यात्रियों को खुशखबरी है क्योंकि अब तीन जगह पर जाने वाले बस यात्रियों को प्रतिदिन यहां से सीधे बसे चल रही है।यह जानकारी सहायक प्रबंधक रोडवेज अयोध्या बस स्टेशन सिविल लाइन धरणेन्द्र कुमार चौबे ने दिया।बताया कि रविवार से प्रतिदिन अयोध्या बस स्टेशन सिविल लाइन से सुबह 10:00 बजे रोडवेज बस झांसी के लिए रवाना होकर और झासी रात 10 बजकर 30 मिनट पर पहुंचेगी।यह बस सुबह भोर में 3:15 पर झांसी से चलेगी और अयोध्या बस स्टेशन दोपहर 3:45 पर पहुंचेगी।बताया इसी तरह मथुरा के लिए वतानुकूलित बस अयोध्या धाम से शाम 5:30 पर चलेगी और अयोध्या बस स्टैंड होते हुए मथुरा सुबह 6:30 बजे पहुंचेगी।वही

बस मथुरा से शाम 4:00 बजे रवाना होगी और सुबह 4:00 बजे अयोध्या पहुंचेगी।इसके अलावा अयोध्या से रुद्रपुर (उत्तराखंड) के लिए भी प्रतिदिन एक बस संचालित होगी जो अयोध्या बस स्टैंड सिविल लाइन से 6:30 सुबह चलकर और रुद्रपुर शाम 7:30 पर पहुंचेगी। दूसरे दिन सुबह 7:00 बजे रुद्रपुर से चलकर अयोध्या 8:00 बजे पहुंचेगी।

थाना पूरा कलंदर क्षेत्र में 72 घंटे बाद लाखों के चोरी मामले मे पुलिस के खाली हाथ, एसपी सिटी ने टीम गठित कर किया निरीक्षण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। शनिवार को पूराकलंदर थाना क्षेत्र के कुतुबुपुर में चोरो ने एक घर में लाखों रुपये की लागत की गहने अन्य सामान व नगदी चोरी का मामला प्रकाश मे आया है। वही इस मामले में स्थानीय थाने में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है।इस घटना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने खुलासे व इसमें शामिल आरोपियों को गिरफ्तारी के लिए टीम का भी गठन कर दिया है।लेकिन 72 घंटे बीत जाने के बाद भी अभी पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा है।पुलिस सिर्फ हवा में तीर चला रही है। मालूम हो कि थाना पूराकलंदर के कुतूबपुर गांव में पुलिस विभाग के रिटायर दरोगा एवं सिपाही संदीप के घर रात्रि में चोरों ने लोहे के रॉड व अन्य सामग्री के साथ घुसकर लाखों की लागत के जेवर और नगदी साफ कर दिए जिसकी कीमत लगभग 25 से 30 लाख के आसपास बताई जा रही है। सूचना मिलते ही मामले में प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पाण्डेय ने अन्य पुलिस कर्मियों तथा मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम की सहायता से खोजबीन में जुट गए।वही इस घटना की सूचना पाकर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने घटना स्थल का निरीक्षण कर कहा कि शीघ्र ही चोरी के खुलासा पुलिस करेंगी और इसमे शामिल सभी आरोपी गिरफ्तार होंगे।

रुदौली में शिक्षक पर गंभीर आरोप,बीएसए को सौंपा शिकायत पत्र

अयोध्या। रुदौली शिक्षा क्षेत्र के एक विद्यालय मे कार्यरत अध्यापक पर नाबालिग छात्रा से दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए सहायक अध्यापिका ने बीएसए लाल चंद्र को दिए गए लिखित शिकायत पत्र दिया है।आरोप लगाने वाली सहायक अध्यापिका ने बीएसए लाल चंद्र को दिये गये लिखित शिकायत करते हुए बताया कि उक्त अध्यापक छात्र को अश्लील संदेश भेजता था। इस संबंध में लालचंद ने बताया मामला उनके संज्ञान में है।बताया कि मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है।जांच समिति में तीन खंड शिक्षा अधिकारी शामिल किए गए हैं।गठित समिति में एक महिला खंड शिक्षा अधिकारी को भी सदस्य बनाया गया है। बताया कि उन्होंने गठित टीम के सदस्यों को सख्त निर्देश दिए हैं इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और इसकी रिपोर्ट शीघ्र उन्हें प्रेषित हो।कहा कि यदि जांच में अगर आरोपी शिक्षक दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'विदेशी शासनकाल में आयुर्वेद के संरक्षण के संकल्प से हुआ अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन का गठन

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'शाहजहांपुर' मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी कार्यालय में अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन की आवश्यक बैठक आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया।

36 साल में पहली बार दलित चेहरे पर मंथन

गोरखपुर, (संवाददाता)। नगर निगम के उपसभापति पद का चुनाव अब सावन माह में कराया जाएगा। पांच अगस्त से पहले निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया संपन्न कराए जाने की तैयारी है। चुनाव की तिथि नजदीक आते ही निगम सदन में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा के भीतर उपसभापति पद को लेकर मंथन जारी है। 36 वर्षों में पहली बार किसी दलित पार्षद को इस पद की जिम्मेदारी देने की संभावना पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा सामाजिक संतुलन और दलित प्रतिनिधित्व का संदेश देने की रणनीति पर काम कर रही है। हालांकि पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग की महिला पार्षद भी मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। दोनों के पक्ष में भी कई पार्षदों का समर्थन बताया जा रहा है। वहीं, दलित पार्षद एकजुट होकर संगठन और पार्टी नेतृत्व से उपसभापति पद पर दलित प्रतिनिधि को अवसर देने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अब तक इस पद के लिए 19 चुनाव हो चुके हैं लेकिन किसी भी दलित पार्षद को उपसभापति बनने का अवसर नहीं मिला। हालांकि अंतिम निर्णय भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की सहमति के बाद ही लिया जाएगा। हाल ही में हुए नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव में भी भाजपा ने नए चेहरों को प्राथमिकता देते हुए सामाजिक संतुलन साधने का प्रयास किया था। कार्यकारिणी में दो ओबीसी, दो दलित और एक सामान्य वर्ग के पार्षद को स्थान देकर पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिए थे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उपसभापति चुनाव में भी पार्टी इसी सामाजिक समीकरण को आगे बढ़ा सकती है। संख्या बल के लिहाज से समाजवादी पार्टी की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर मानी जा रही है। ऐसे में उपसभापति का चुनाव विपक्ष की बजाए भाजपा के आंतरिक समीकरणों और संगठन के अंतिम निर्णय पर ही निर्भर माना जा रहा है।

गंगा की लहरों पर इलेक्ट्रिक नावों का संचालन शुरू, नमो घाट पर पांच नावों का किया गया लोकार्पण

वाराणसी, (संवाददाता)। वीडीए ने बृहस्पतिवार को नमो घाट पर गेल (इंडिया) के सहयोग से इलेक्ट्रिक बोट कन्वर्जन पायलट परियोजना के तहत गंगा में पांच इलेक्ट्रिक नावों का संचालन शुरू

किया। इसके प्रथम चरण में मेयर अशोक कुमार तिवारी ने पांच इलेक्ट्रिक नावों का लोकार्पण किया। इस मौके पर पारंपरिक नौकाओं को इलेक्ट्रिक में परिवर्तित कराने वाले दीपक साहनी, राकेश साहनी, ज्योतिलाल निषाद, दीपक कुमार साहनी और शुभम साहनी को प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। नाविकों ने इस पहल के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि इससे उनकी आय बढ़ेगी। गंगा की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। वीडीए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने कहा कि प्रथम चरण में 20 नावों को इलेक्ट्रिक प्रणाली में परिवर्तित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पायलट परियोजना की सफलता के आधार पर इसे आगामी समय में व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा। अतिथियों ने इलेक्ट्रिक नाव से नमो घाट से भदैनी घाट तक भ्रमण किया। इस अवसर पर गेल (इंडिया) के महाप्रबंधक सुशील कुमार उपस्थित रहे। आयरा इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गगन कुमार मेहता ने बताया कि हर इलेक्ट्रिक नाव में 15 किलोवाट क्षमता की इलेक्ट्रिक आउटबोर्ड मोटर, 20 किलोवाट क्षमता का लिथियम बैटरी पैक, ईवी चार्जर, डिजिटल डिस्प्ले, जीपीएस ट्रैकिंग व रिमोट मॉनिटरिंग प्रणाली जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। हर नाव सामान्य परिचालन में अस्सी घाट से नमो घाट के मध्य न्यूनतम तीन आवागमन (राउंड ट्रिप) करने में सक्षम है। चयनित घाटों पर मानकों के अनुरूप चार्जिंग की भी व्यवस्था की जा रही है।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज के विरोध में गोरखपुर विश्वविद्यालय गेट पर एनएसयूआई का प्रदर्शन

गोरखपुर, (संवाददाता)। दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार शाम भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने डीडीयू के मुख्य द्वार पर प्रतीकात्मक विरोध–प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश महासचिव नितेश मिश्रा ने किया। कार्यकर्ताओं ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया और कहा कि छात्रों की आवाज को बलपूर्वक दबाना लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि जंतर–मंतर पर चल रहा छात्र आंदोलन देश के युवाओं की आवाज है और सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों और विपक्ष की मांगों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन और तेज होगा। प्रदर्शन में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुमित पाण्डेय, महानगर अध्यक्ष रवि प्रकाश पाण्डेय, जिला अध्यक्ष सुशांत शर्मा, सत्यवान यादव, अनूप मिश्र, विवेकानंद यादव, अमर शुक्ला, अखण्ड पाण्डेय, कुंवर पासवान, अमर सहानी, प्रशांत पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना हैदरगंज क्षेत्र मे हुई हत्या मे शामिल दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार,अन्य आरोपियों की तलाश जारी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना हैदरगंज के जाना बाजार मे आठ नामजद हत्या मे शामिल आरोपियो में से पुलिस ने दो को पड़कर पांचवें दिन जेल भेजा।पकड़े गए आरोपियों से घटना मे प्रयुक्त लाठी और कुल्हाड़ी भी पुलिस ने बरामद किया।वहीं मृतक के पोस्टमार्टम रिपोर्ट मे कहीं चोट का न होना बताया गया।अन्य फरार आरोपियों की धर पकड़ के लिए पुलिस टीमे छापामारी कर रही हैं।गांव मे शान्ति व्यवस्था कायम है।थाना क्षेत्र हैदरगंज के कुआडाड में पुरानी रंजिश जमीनी विवाद में 22 जुलाई की देर रात घटना हुई के दौरान मृतक चौतू राम 62 वर्षीय की मौत होने का आरोप परिजनों ने लगाया था। इस दौरान कई लोग घायल भी हो गए थे।जिनका इलाज चल रहा है। परिजन रात्रि में शव उठाने नहीं दे रहे थे।और दूसरे दिन पोस्टमार्टम के बाद आने पर अंतिम दाह संस्कार भी बिना गिरफ्तारी के करने को तैयार नहीं थे।एसडीएम व सीओ बीकापुर के पहुंचने पर 20 घंटे बाद अंतिम दाह संस्कार काफी समझाने बुझाने के बाद हो सका था।मृत्यु के पुत्र की तहरीर पर हैदरगंज पुलिस ने गांव के ही आठ नामजद आरोपियों के विरुद्ध हत्या जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर ली थी।पुलिस ने इन आरोपियों की खोजबेन में जुटी थी इसी बीच सोमवार की सुबह सराय मनोधर कुआडाड सड़क के किनारे पिंटू की ट्यूबल के पास से आरोपी राम अनुज ,जगन्नाथ को पकड़ पाने की पुलिस ने सफलता हासिल कीऔर उनके शिनाख्त पर मारा पीट हत्या में प्रयुक्त लाठी कुल्हाड़ी आला कत्ल बरामद कर लिया।और पकड़े गए आरोपियों को जेल भेज दिया।पकड़ने वाली टीम में थानाध्यक्ष संतोष कुमार,दरोगा राजकुमार साहू,कांस्टेबल सोनू, अभिषेक, गौरव कुमार शामिल थे। घटना के संबंध में इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया की दो आरोपियों को पड़कर जेल भेज दिया गया शअन्य हत्या आरोपियों की खोजबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर कहा कि मृतक के शरीर में कहीं कोई चोट नहीं मिली है।

नेपाल सीमा पर अब एआई का पहरा

गोरखपुर, (संवाददाता)। तस्करी के लगातार बदलते तरीकों की समीक्षा के बाद नारकोटिक्स विभाग ने नेपाल सीमा पर एआई का पहरा लगाने की रणनीति तैयार की है। स्मार्ट कैमरा, सेंसर, रियल टाइम इंटेलिजेंस और साइबर मॉनिटरिंग सिस्टम के जरिये सीमा क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों की पहचान की जाएगी। एआई आधारित तकनीक से तस्करी के बदलते तरीकों का विश्लेषण किया जाएगा। नारकोटिक्स विभाग का जोर अब केवल नशे की खेप पकड़ने पर नहीं होगा, बल्कि तस्करों की पूरी सप्लाई चेन, डिजिटल नेटवर्क और आर्थिक स्रोतों को एक साथ निशाना बनाया जाएगा। वर्ष 2023 से 2025 तक की समीक्षा में पता चला कि तस्करी का तरीका अब विकेंद्रीकृत हो गया है। नेपाल सीमा से जुड़े क्षेत्रों में तस्करों ने अपने तौर–तरीके बदल दिए हैं। अब पुराने रास्तों के साथ नए मार्गों का इस्तेमाल किया जा रहा है। छोटे–छोटे कैरियर, बदलते ठिकाने, ऑनलाइन संपर्क और डिजिटल भुगतान सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। भारत–नेपाल की खुली सीमा लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती रही है। जांच में सामने आया है कि नेपाल के रास्ते हेरोइन, चरस, गांजा, सिंथेटिक ड्रग्स और प्रतिबंधित दवाओं की खेप भारत पहुंचाने की कोशिश की जाती है। इसके बाद इन्हें गोरखपुर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच समेत अन्य जिलों के रास्ते बड़े शहरों तक भेजने की कोशिश की जाती है। नई रणनीति में एआई की मदद से सीमा क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों का पैटर्न तैयार किया जाएगा। स्मार्ट कैमरे और सेंसर संदिग्ध आवाजाही, बार–बार बदलते रास्तों और असामान्य गतिविधियों की पहचान में मदद करेंगे। इसके अलावा विभिन्न एजेंसियों के बीच रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, ताकि किसी एक क्षेत्र में पकड़े गए तस्कर से जुड़े पूरे नेटवर्क तक पहुंचा जा सके। पहले एक व्यक्ति पूरी प्रक्रिया संभालता था लेकिन अब नेटवर्क को कई हिस्सों में बांट दिया गया है। सीमा से माल लाने वाला व्यक्ति अलग होता है, उसे आगे पहुंचाने वाला अलग और पैसों का प्रबंधन करने वाला अलग। ऐसे में केवल कैरियर की गिरफ्तारी से पूरा नेटवर्क नहीं टूट पाता। अब जांच का फोकस सप्लायर और फाइनेंसर तक पहुंचने पर रहेगा। तस्कर अब मोबाइल एप, एन्क्रिप्टेड चैट और ऑनलाइन माध्यमों का इस्तेमाल कर रहे हैं। खरीदार और सप्लायर के बीच सीधा संपर्क कम हो गया है।

कैंट स्टेशन से 1.95 करोड़ रुपये के सोने-हीरे के आभूषण बरामद, सूरत निवासी दो युवकों से हुई पूछता

वाराणसी, (संवाददाता)। कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी, आरपीएफ और एसआईबी ने शुक्रवार सुबह 1. 95 करोड़ रुपये के सोने–हीरे के आभूषण के साथ दो यात्रियों को हिरासत में लिया। सूचना पर पहुंची आयकर विभाग की टीम ने डायमंड जड़ी घड़ी, हीरे की चेन, सोने की अंगूठियां समेत अन्य बहुमूल्य आभूषणों की जांच की। गुजरात निवासी दोनों यात्रियों से पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया, जबकि आभूषण जब्त कर लिए गए। दोनों युवक बरामद आभूषणों के संबंध में संतोषजनक और पुख्ता दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। कैंट जीआरपी की पूछताछ में गुजरात के सूरत निवासी गौतम सांवलिया और रौनक कुमार ने बताया कि वे सूरत स्थित शिवाय ज्वैलर्स के कर्मचारी हैं। उन्हें आभूषण लेकर जौनपुर जाना था। उन्होंने बताया कि कुछ माल रास्ते में बेच चुके हैं, जबकि शेष माल की डिलीवरी जौनपुर में करनी थी। दोनों कैंट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर छह पर जौनपुर जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। कैंट जीआरपी के सीओ कुंवर प्रताप सिंह ने बताया कि तलाशी के दौरान बैग से डायमंड जड़ी घड़ी, सोने की चेन, सोने की अंगूठियां समेत अन्य कीमती आभूषण बरामद हुए। कुल 1 किलो 381 ग्राम आभूषण की कीमत एक करोड़ 95 लाख 64 हजार 897 रुपये आंकी गई है। बरामद सामान के संबंध में प्रस्तुत बिल संतोषजनक नहीं पाए गए। जीआरपी की सूचना पर आयकर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और दस्तावेजों का मिलान किया, लेकिन उनसे संतुष्ट नहीं हुई। फिलहाल दोनों यात्रियों को छोड़ दिया गया है, जबकि आभूषण जब्त कर लिए गए हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।